श्री दिगम्बर जैन महासमिति

श्री दिगम्बर जैन समाज की संसद

पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति का लक्ष्य - संगठित समाज

श्री दिगम्बर जैन महासमिति के सदस्यों के वितरण हेतु पत्रिका

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की सदस्यता शुल्क का विवरण

श्रेणी (CATEGORY)	धनराशि (AMOUNT)	(अवधि PERIOD)
विशिष्ट शिरोमणि संरक्षक	100000.00	आजीवन
शिरोमणि संरक्षक	51000.00	आजीवन
संरक्षक	11000.00	आजीवन
विशिष्ट सदस्य	5100.00	आजीवन
सहयोगी सदस्य	3100.00	आजीवन
सम्मानीय सदस्य	1100.00	आजीवन
साधारण सदस्य	500.00	(पाँच वर्ष हेतु)

आवश्यक सूचना

1. पत्रिका शुल्क सदस्यों के लिए 500/– रू वार्षिक देय होगा।
2. सदस्यता पहचान पत्र शुल्क अतिरिक्त 100/– रू देय होगा।
3. अधिक जानकारी एवं सदस्यता फार्म के लिए निम्न पते पर सम्पर्क कर सकते हैं।

धरणेन्द्र कुमार जैन
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
70, कैलाश हिल्स, नई दिल्ली–110065
मो. 8826578600, 9999495706

सदस्यता शुल्क एवं सहयोग के लिए
बैंक खाते का विवरण

Bank Account Detail of	:	Shree Digamber Jain Mahasamiti
Account No	:	10170001973962
Branch	:	Bandhan Bank, East Patel Nagar, Delhi-110008
IFSC Code	:	BDBL0001498

वर्ष 5 - अंक 3 अगस्त 2021

Title Code : DELBIL11586

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

सामाजिक, साहित्यिक, राष्ट्रीय चेतना की संदेशवाहक एक मात्र मासिक पत्रिका

राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ मणीन्द्र जैन
9810043108

राष्ट्रीय संयोजक
कमल जैन पाटनी
मो. 9300683637

राष्ट्रीय महामंत्री
प्रवीन कुमार जैन (लोनी)
मो. 9811227718, 9711227718

प्रधान सम्पादक
धरणेन्द्र कुमार जैन
मो. 9999495706, 8826578600
ईमेल : dkjdhir@gmail.com

महिला सम्पादक
1. डॉ. ममता जैन, पूना
2. निर्मल जैन पाण्डया, अजमेर

संपादक (विदेश)
रामगोपाल जैन U.S.A.

स्वत्वाधिकारी व प्रकाशक
डॉ मणीन्द्र जैन

मुद्रक : रचना सिंडिकेट
बी. एस. सागवान
मो. 8178438390
सुन्दर नगरी, दिल्ली-110093

मुख्य कार्यालय

Shree Digamber Jain Mahasamiti
70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mobile : 9810043108,8826578600
E-mail : sdjmsnational@gmail.com
Website : www.shreedigamberjainmahasamiti.com

विषय सूची

1. सम्पादकीय 2
2. मनुष्य के जीवन 5
3. चरण स्पर्श कार्यक्रम..... 6
4. चरण स्पर्श कार्यक्रम की झलकियाँ..... 7
5. महिला महासमिति चंदेरी..... 8
6. लहरिया उत्सव..... 9
7. अजमेर की 10
8. महासमिति महिला संभाग सूरत 11
9. श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति इन्दौर.. 12
10. प्रतिष्ठा में 13
11. नसिया बूंदी में वृक्षारोपण 14
12. श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति संभाग केकड़ी.. 15
13. मोक्ष सप्तमी का आयोजन.... 16

लेखक के विचारों से सम्पादक या इसकी प्रकाशन संस्था श्री दिगम्बर जैन महासमिति का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सम्पादकीय

बुन्देलखण्ड श्रद्धा एवं शिल्प का खजाना है!

आज सारा जगत मन व इन्द्रियों का गुलाम है जिन्होंने गुलामी के बंधन तोडकर मुक्त हो गये हैं तथा कषाय और कर्मरुपी शत्रुओं को जीत लिया है उसे जैन दर्शन में **"जिन"** कहते हैं। जिनकी प्रत्येक क्रिया जैसे चलना, बोलना, उठना–बैठना, सोना–जीना सब संस्कृति नाम पा जाती हैं ऐसा मुक्त व्यक्ति जिस क्षेत्र को स्पर्श करता है वहाँ का कण–कण पावन पवित्र हो जाता है। जिस तन से साधना करना है वह तन भी मंदिर हो जाता इस प्रकार अर्हन्त जिन से संबंधित द्रव्य क्षेत्र–काल–भव और भाव में पाँचों ही संस्कृति हैं। जैन संस्कृति अनादिकाल से है और उसका कोई अंत नहीं है। जैन संस्कृति अनादिकाल के प्रतीक देव–शास्त्र–गुरु जो मंजिल पर पहुँच गये हैं अर्थात् मोक्ष को प्राप्त हो गयें है एवं 18 दोषों से रहित सर्वज्ञहितोपदेशी–वीतरागी हो गये हैं वे सच्चे देव हैं। मंजिल पर पहुँचकर जो उन्होंने जाना–देखा–पाया वह ही बाद में वाणी से मुखरित हुआ। वह सच्चा आगम शास्त्र है और यही हमारी संस्कृति के प्रतीक बन गये हैं इन तीर्थकंरो में सदैव भौतिकता के इस अशान्त वातावरण में आध्यात्मिकता का सदैव संदेश दिया है। वर्तमान काल में इस पुण्य भूमि पर साधका भगवन्तों के अभाव में उनकी प्रतिच्छाया के रुप में जिन बिम्बों की स्थापना होती आई है जो हमारी संस्कृति के प्रतिक स्वरुप हैं। तीर्थ हमारी श्रद्धा एवं निष्ठा का सर्वोपर माप दंड है। तीर्थ ही वे माध्यम हैं जिनके द्वारा हम अतीत के अध्यात्म में देख सकते हैं। चेतना की ऊर्जा सघनता और वायुमंडल में चेतना की जितनी तरंगे तीर्थ में मिलेगी धरती के अन्य किसी भी सीान पर संभावित नहीं हैं। संसार में ऐसा कोई धर्म नहीं है जिसे तीर्थ की सार्थकता को अस्वीकार किया हो जीवन मिलता है। वास्तव में तीर्थ व हर धर्म का नाभिस्थल है। श्रद्धा का केन्द्र है, वह मनुष्य धन्य है जिसके शीर्ष पर किसी तीर्थ की माटी का तिलक हुआ है। जो उन्होंने जाना–देखा–पाया वह ही बाद में वाणी से मुखरित हुआ। वह सच्चा आगम शास्त्र है और यही हमारी संस्कृति के प्रतीक स्वरुप हैं। तीर्थ हमारी श्रद्धा एवं निष्ठा का सर्वोपर माप दंड है। तीर्थ ही वे माध्यम हैं जिनके द्वारा हम अतीत के अध्यात्म में देख सकते हैं। चेतना की ऊर्जा सघनता और वायुमंडल में चेतना की जितनी तरंगे तीर्थ में मिलेगी धरती के अन्य किसी भी स्थान पर संभावित नहीं हैं। संसार में ऐसा कोई धर्म नहीं है जिसे तीर्थ की सार्थकता को अस्वीकार किया हो जीवन मिलता है। वास्तव में तीर्थ व हर धर्म का नाभिस्थल है। श्रद्धा का केन्द्र है, वह मनुष्य धन्य है जिसके शीर्ष पर किसी तीर्थ की माटी का तिलक हुआ है।

"बुन्देलखण्ड श्रद्धा एवं शिल्प का खजाना है" श्रद्धा बुन्देलखण्ड की आत्मा रहा है श्रद्धा के अतिरिक्त का ही परिणाम है यहाँ ढौर–ढौर मंदिर विभिन्न आराधना स्थल एवं स्मारक मिल जाते हैं अनेकों शिल्पांकित मंदिर भूमिसात हो जाने के बावजूद अतीत के अध्यात्मिक अवशेषों को इस खंड ने सुरक्षित रखा है मंदिर के निर्माण के प्रति तो यह खंड आस्थाबान रहा ही है उसकी रक्षा के प्रति भी सजग सक्रिय रहा है इस बुन्देलखंड की श्रद्धा को कौन छू सकता है जहाँ प्राणों को न्यौछावर करके भी मंदिर मूर्तियों की सुरक्षा की गई है।

जिस तरह भारतवर्ष की पुन्य भूमि को महान विभूतियों के जन्म देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है उसी तरह सिद्ध क्षेत्र अतिशय क्षेत्र एवं अन्य तीर्थक्षेत्र या दर्शनीय स्थानों से सुशोभित होने का सौभाग्य बुन्देलखण्ड बसुन्धरा को प्राप्त हुआ है।

बुन्देलखंड–जेजाक मुक्ति–जुझारू खंड, जुझोति वज्र चेदि और दशर्ण नाम से यह क्षेत्र इतिहस में प्रसिद्ध रहा है नामान्तरों के होने के विभिन्न कारण हैं जिनकी सार्थकता और सत्यता महाभारत काल के बुन्देलखण्ड को देखने पर पाई जाती है। बुन्देलखंड की भूमि पर अनेकों युद्ध होने से धरा के रक्त रंजित होने पर भी इसे वन्दनीय या स्वर्ग तुल्य कहा गया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश के बीच झाँसी–सागर मंडल के बीच घिरा हुआ क्षेत्र बुन्देलखण्ड की सीमा में जाना जाता है। यह खंड हमारी संस्कृति का बुलन्द खंड है, बुलन्द क्षेत्र है यह बुलन्द इमारत की तरह खड़ा है यहाँ का वैभव भी बुलन्द है यहाँ की संस्कृति बुलन्द है जो इस नाम को सार्थक करती है बुन्देलखण्ड में तीर्थक्षेत्रों के निर्माण की दीर्घकालीन परम्परा रही है। सर्वाधिक तीर्थ क्षेत्रों के निर्माण को गौरव बुन्देलखण्ड को प्राप्त है।

यद्यपि बुन्देलखण्ड औद्योगिक क्षेत्र में चाहे जितना पिछड़ा हुआ हो परन्तु आध्यात्मिक धार्मिक और सामजिक क्षेत्रों में देश में अग्रणी रहा है। हिन्दु, जैन, शैव, सम्प्रदाओं ने भी आध्यात्मिक, धार्मिक चेतना को जागृत किया है इसलिए बुन्देलखण्ड सभी सम्प्रदाओं का धार्मिक स्थल है जैन तीर्थों में सोनगिरि–द्रोणगिरि–पपोरा–आहरजी नैनागिरि–चन्देरी–देवगढ़, कुन्डलपुर तथा खजुराहो आदि तीर्थ क्षेत्र हैं वहाँ हिन्दु तीर्थों में चित्रकूट–बालाजी–पन्ना–कुण्डेश्वर–भीमकुण्ड आदि भी हैं जैन धर्म की परम्परा बुन्देलखण्ड में सदैव रही है। इस परम्परा का निर्वाह करते हुये जैन श्रावकों के द्वारा अपने न्याय से उपार्जित द्रव्य से धार्मिक भावना से प्रेरित होकर जिन मंदिरों का निर्माण जिन बिम्बों की प्रतिष्ठा स्थापना हमेशा से होती रही है। बुन्देलखण्ड में भट्टारकों की गद्दी चन्देरी–सोनगिर में रहने के कारण भट्टारकों का कार्य जिनवाणी का समर्थन–संरक्षण जिन मंदिर का निर्माण प्रतिष्ठायें प्रमुख रूप से रही हैं। यह एक ओर परम्परा मानी जाती है जिन बिम्ब प्रतिष्ठा का समापन गजरथ परिक्रमा से होता है यह यहाँ की अपनी विशेष परम्परा है। प्रभावना की दृष्टि से धार्मिक समारोह इससे अधिक प्रभावना पूर्ण अन्यत्र नहीं है। ये प्रतिष्ठायें गजरथ के साथ होती रही हैं यद्यपि समय समय पर रूप परिवर्तन होते रहे हैं व्यक्ति विशेष द्वारा अपनी न्याय से उपार्जित सम्पत्ति से स्वयं गजरथ महोत्सव कराते थे सामूहिक भोज की व्यवस्था रहती थी तथा समाज द्वारा व्यक्ति विशेष को सम्मानित किया जाता था। पहला गजरथ 1755 का कारी टोरन के

एक प्रतिष्ठित परिवार ने तथा चन्देरी के शिलालेखों से ज्ञात होता है। दो सौ वर्ष पूर्व गजरथ सहित प्रतिष्ठा समारोह सम्पन्न हुई थी जो महाराज सिंधिया के संरक्षण में हुई थी। सन् 1874 में हीरापुर, 1831 में कुन्डलपुर, 1881 में पन्ना इस प्रकार क्रमशः है अपितु अनादि अंत है जब से इस पृथ्वी पर जन्म–मरण से स्वतंत्रता मिली है मोक्ष के द्वार खुले हैं तब से गजरथों का निर्वाध रूप से सतत् प्रवाह बना हुआ है ऐसे भद्र परिणामी हाथियों के ऊपर जिनेन्द्रदेव की महिमा की प्रभावना मर्यादा पुरूषोत्तम राम ने भी की थी वनवास से वापिस अयोध्या की राज गद्दी सम्हालते ही सर्व प्रथम चारों दिशाओं में नवीन जिन मंदिर बनवाये थे और जिनबिम्बों को पंचकल्याण कराके किये थे उस समय सैकड़ों गजरथों के ऊपर अयोध्या की परिक्रमा कर श्री जी की भव्य शोभा निकाली थी। वर्तमान में गजरथ परम्परा बुन्देलखण्ड की देन है।बुन्देलखण्ड में पोषित हुई संरक्षित रही है।

बुन्देलखण्ड की धरा पर अनेकों तीर्थ क्षेत्रों में अनगिनत जिन मूर्तियाँ स्थापत्य कला के अपूर्व भण्डार हैं जो संस्कृति के क्षेत्र में समृद्धि के अंचल प्रमाण हैं। बुन्देलखण्डी पुरातत्व के महत्व कोष रूप भक्त उपासक को शांति प्रदायक तीर्थ क्षेत्रों के रूप में देवगढ़, द्रोणगिरी, सेरोनजी, नैनागिरी, चन्देरी, वंजरगढ़, पपोराजी, आहारजी, कुण्डलपुर आदि उपलब्ध हैं। यत्र–तत्र बिखरी जैनेश्वरी प्रतिमाओं का उच्चासन पर विराजमान कराना तथा त्रिकाल चौबीसी के रूप में विराजमान करते हुये यथा क्रम देना स हस्त्रकूट चैत्यालय का बोध प्राप्त कराना उपाध्याय परमेष्ठी के मूल गुण पढ़ना पाठन जैसे चर्या के दर्शन देने वाले तलहटी पंचपरमेष्ठी जिनालय बुन्देलखण्ड के चहुँ ओर अपनी आभा बिखेर रहे हैं। इस क्षेत्र का समृद्ध गौरवशाली इतिहास तथा उसके सांस्कृतिक वैभव यहाँ के तीर्थ क्षेत्रों पर स्थापित जिनालय मूर्तियाँ स्तंभ शिलालेख तथा खंडहर सो अपनी आभा को जिन शासन की प्रभावना करके जिनध्वजों की पताकाओं को आलोकित कर रहे हैं। जिनमें द्रोणगिरी, नैनागिरी, देवगढ़, कुण्डलपुर तथा सोनागिर के जिनालय चतुर्थकाल के गवाह हैं। धर्मों के प्रवर्तकों धर्माचार्यों और संतों वर्धन और संरक्षण किया है। भगवान महावीर की अहिंसा पारसनाथ की क्षमा, राम की मर्यादा इसकी आधार शिला है। जैनत्व के संदेश को इस पुण्य भूमि की श्रद्धा के बीज बोये गये हैं। यहाँ जैन तीर्थ और मंदिर शास्त्र संगतियों का तो निर्माण और विनियोजन हुआ है। जैन संतों ने आचार्यों ने यहाँ विचरण कर गाँव–गाँव में अहिंसा और शांति का अलख जगाई वैराग्य और वीतरागता के निर्झर पहुँचाये हैं।

– धरणेन्द्र कुमार जैन, नई दिल्ली

मनुष्य के जीवन में तमाम समस्यायें दुर्बुद्धि के कारण ही आती हैं!

ईश्वर की ओर से मनुष्य को मिली एक अद्भुत और अनोखी देन है, बुद्धि। गीता में कहा गया है कि इस संसार में ज्ञान के समान और कुछ पवित्र नहीं। जिस व्यक्ति में सद्बुद्धि है, वह अपनी और दूसरों की सभी समस्याओं का सहज समाधान निकाल लेता है, लेकिन दुर्बुद्धि से घिरे इंसान का और उसके करीबीयों के जीवन का सर्वनाश निश्चित है। किसी व्यक्ति के पास धन का अधिक मात्रा में संग्रह होने पर उसे सौभाग्यशाली नहीं कहा जा सकता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि सद्बुद्धि के अभाव में यही पैसा नशे का काम करता है। लक्ष्मी की सवारी उलूक है। यानी मूर्ख। इसलिए सद्बुद्धि न होने पर अनावश्यक संपत्ति मनुष्य को उलूक बना देती है। दूसरी तरफ कम पैसा होने के बावजूद सद्बुद्धि वाला इंसान अपना जीवन आनंद से बिताता है।

मनुष्य के जीवन में तमाम समस्यायें दुर्बुद्धि के कारण ही आती हैं। कहा गया है कि यदि आपके बच्चे सद्बुद्धि वाले हैं तो उनके लिए धन का संचय नहीं करना चाहिए, क्योंकि धन के बगैर भी वे अपना जीवन सुखमयी बना सकते हैं। सद्बुद्धि से बढ़कर इस संसार में और कुछ नहीं है। सद्बुद्धि से मन–मस्तिष्क पर अनुकूल असर पड़ता है। मनुष्य के विचारों में संतुलन और स्थिरता आती है। साथ ही उसके धैर्य, चिंतन–मनन और संकल्प की शक्ति बढ़ती है। जिसकी बुद्धि दोषरहित है, वह मनुष्य सदा ही पवित्र और शुभ कार्य करता हुआ जीवन में महान आनंद प्राप्त करता है। सद्बुद्धि वाला इंसान कठिन परिस्थितियों से भी बाहर निकल जाता है। सम्राट अशोक ने कहा कि भले ही युद्ध लड़े मैदान में जाते हैं, लेकिन जीते दिमाग से जाते हैं। किसी भी इंसान में सद्बुद्धि उसके द्वारा चीजों को देखने और उन्हें समझने से विकसित होती है। जो दूसरों में सिर्फ दोष देखता है या फिर दूसरों की निंदा करता रहता है तो धीरे–धीरे ये चीजें उसके अंदर ही प्रवेश कर जाती हैं, तब व्यक्ति स्वयं में दोष खोजने लगता है और अपनी ही निंदा करने लगता है। उसके भीतर नकारात्मक इस तरह घर कर जाती है कि उसे अपने जीवन में और अपने आसपास कुछ भी अच्छा होता नहीं दिखाई देता है। **स्वर्ग–नरक कहीं और नहीं, बल्कि इसी धरती पर हैं, लेकिन फर्क बस इतना–सा है कि सद्बुद्धि मनुष्य को स्वर्ग का अहसास करती है और दुर्बुद्धि नरक का।**

- डॉ. मणीन्द्र जैन
राष्ट्रीय अध्यक्ष

चरण स्पर्श कार्यक्रम ने रचा इतिहास
श्री दिगम्बर जैन महासमिति के बढ़ते कदम

आप सभी को बताते हुए अत्यन्त हर्ष है कि महासमिति, **JIO** और पारस चैनल द्वारा संयुक्त तत्वावधान में 31 जुलाई रात्रि 7:40 से 10:00 तक पारस चैनल पर प्रचारित–प्रसारित हम सभी के परिवार के बुजुर्गजनों को मार्गदर्शन एवं सम्मान के लिए आयोजित कार्यक्रम को पारस चैनल के पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि लगभग 42 लाख लागों ने यह कार्यक्रम देखा है यह संख्या हमारे 25 अप्रैल भगवान महावीर जन्म कल्याणक के प्रोग्राम जिसको लगभग 37 लाख लोगों ने देखा था उससे भी ज्यादा है। हम सभी आभारी हैं पूज्य आचार्य डॉ. प्रणाम सागर जी, पूज्य गुरुवार नय पदम सागर जी महाराज साहेब, योग गुरु हंसा माँ, जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस आलोक कुमार जी, भजन गायिका श्रीमती निशि जी एवं श्रीमती अलका जी, राजू श्रीवास्तव जी, रवि जैन तथा अरविन्द बक्शी जी, डॉ. मनीष बिश्नोई एशिया हेड गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड, मिसेज युनिवर्स 2018 नेहा त्यागी तथा महासमिति, जियो और पारस चैनल के पदाधिकारियों के जिनकी कार्यक्रम में गौरवमयी उपस्थति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। समस्त महासमिति एवं महिला महासमिति बधाई के पात्र हैं। एक और बात बताना चाहता हूँ बहुत बड़ी संख्या में जैनेतर समाज के व्यक्तियों ने इस कार्यक्रम को देखा है। हम सभी मिलकर भगवान महावीर की वाणी और महासमिति को पूरे देश में फैलाएंगे तथा मानवता के लिए और अच्छे प्रोग्राम तथा कार्य प्लान करेंगे।आप सभी सहयोगी गणों को मैं नमन करता हूँ तथा ह्रदय से धन्यवाद देता हूँ।

- डॉ. मणीन्द्र जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष

"भारत बने भारत" अभियान के तहत श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की महामन्त्री श्रीमती संगीता कासलीवाल मुम्बई के सम्मानित समारोह कार्यक्रम की झलकियाँ

“चरण स्पर्श” कार्यक्रम की झलकियाँ

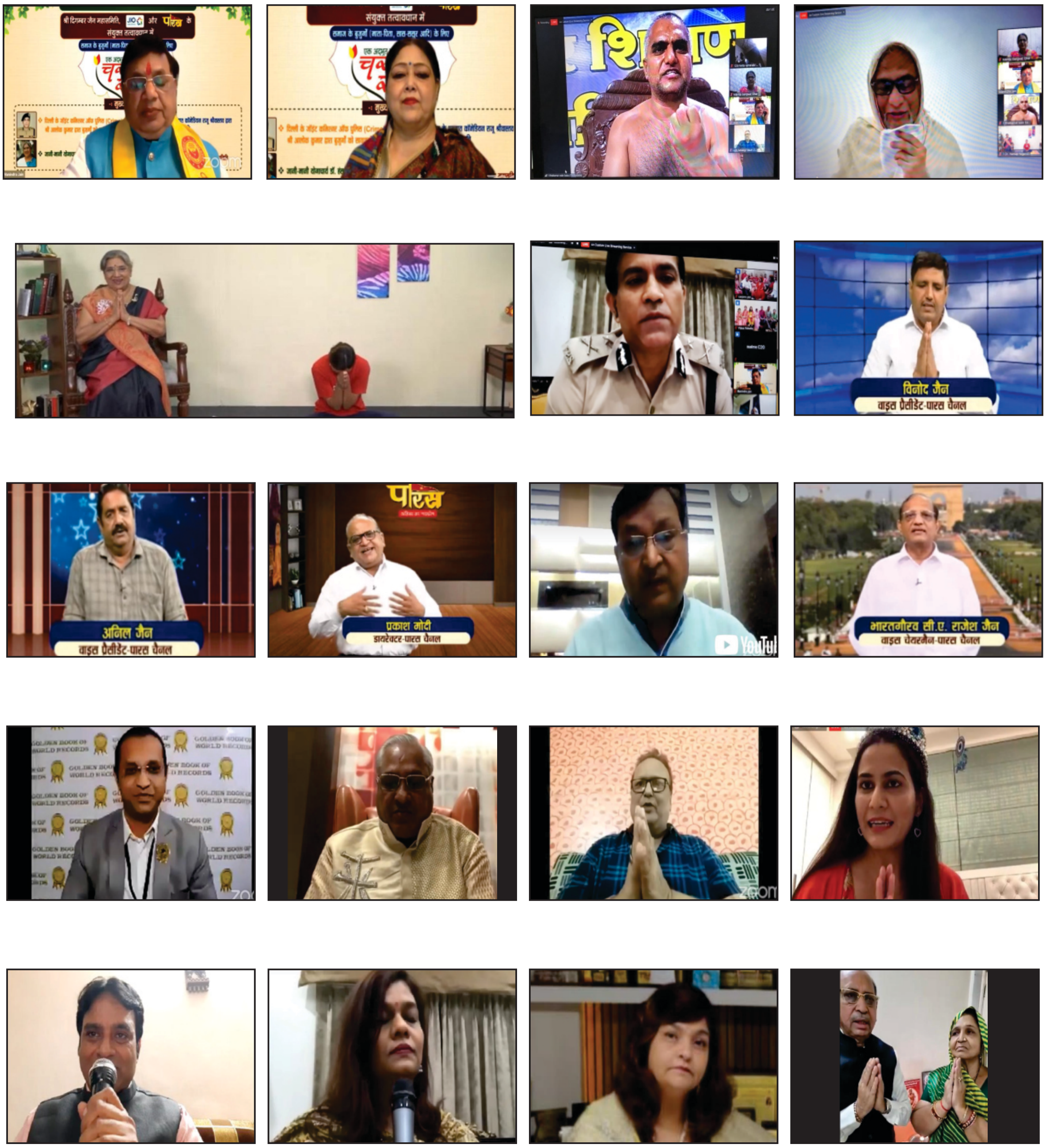

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति चंदेरी की बहनों के द्वारा हरियाली अमावस्या के उपलक्ष में पेड़ पौधे लगाये गए तथा सुहाग की सामग्री वितरण की गई।

51 पौधों का रोपण कर सावन का उत्सव मनाया

अशोकनगर। श्रावण का महीना प्रकृति के श्रृंगार का महीना है। इस महीने में प्रकृति हरियाली का आवरण ओढ़ लेती है। इस प्रकृति को हरा–भरा बनाने के लिए **श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति अशोकनगर** द्वारा सावन माह में हरियाली का उत्सव अतिशय क्षेत्र थूबोनजी में मनाया गया। इस दौरान महिलाओं ने आदिनाथ भगवान के दरबार में विधान और आरती की। इसके बाद 51 विभिन्न प्रजातियों का रोपण किया और पोधारोपण के महत्व से अवगत कराया।

इस दौरान 2100 रुपए की राशि पौधों के संरक्षण के लिए प्रदान की गई। तथा कई प्रतियोगिताएं चम्मच दौड़, चेयर रेस, अंताक्षरी के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस मौके पर महासमिति के अध्यक्ष सपना अजमेरा, मीना रसीला, वर्षा सिंघई, उषा नयनी, मध्यांचल की अध्यक्ष इंदु गांधी सहित महिला महासमिति की सभी महिलाओं ने प्रमुखत से अपनी उपस्थिती दर्ज कराई।

लहरिया उत्सव मनाकर समिति की सदस्याओं ने उठाया लुफ्त

श्री दिगम्बर जैन महासमिति महिला एवं युवा महिला संभाग अजमेर की सदस्याओं ने सदभावना एवं आपसी मेल जोल बढ़ाने हेतु भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन कर एकता का परिचय दिया जो इस अवसर पर समिति द्वारा लहरिया उत्सव मनाया गया जिसमें 70 से अधिक सदस्याओं ने भाग लिया।

युवासंभाग अध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि देवनगर रोड पुष्कर में स्थापित चित्रकूट गार्डन एंड रिसोर्ट के भव्य हरे भरे बगीचों में आयोजित कार्यक्रम में सभी सदस्याएं लहरिया पहनकर पहुंची जहां उपाध्यक्ष श्रीमती नवल जी छाबड़ा के संयोजन में लहरिए के गीत गाकर वातावरण को खुशनुमा कर दिया।

समिति की मदार इकाई की मंत्री श्रीमती सारिका जैन ने मनोरंजक हाऊजी व आनंदनगर इकाई की अध्यक्ष श्रीमती अंजु अजमेरा अन्य आकर्षक गेम्स खिलाकर सभी को आनंद की अनुभूति कराई इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया जिसमें श्रीमती पूनम बडजात्या, श्रीमती मनीषा गदिया व श्रीमती सारिका जैन विजयी रही विजेताओं को समिती की संरक्षक श्रीमती आशा जैन शुभम व महिला संभाग अध्यक्ष शिखा बिलाला के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत किया गयाा तत्पश्चात महिलाओं ने तीज के झूले झूले व पूल पर आनंद उठाया साथ ही फिल्मी गानों पर अंताक्षरी खेली व नृत्य कर लुफ्त उठाया। सभी समिति सदस्याओं ने एक दूसरे के रक्षासूत्र बांधकर सामूहिक राखी पर्व मनाया इस अवसर पर सभी ने स्वादिष्ट नाश्ते व भोजन का लुफ्त उठाया ।

समिति की मंत्री सोनिका भैंसा ने बताया कि आयोजन स्थल की विशेष व्यवस्था श्रीमती किरन कासलीवाल, श्रीमती आशा कासलीवाल व श्रीमती शशि बाज ने मिष्ठान आदि की व्यवस्था की। वरिष्ठ सदस्य श्रीमती नवल छाबड़ा द्वारा की गई आयोजन को सफल बनाने में श्रीमती रिंकू कासलीवाल, श्रीमती अनीता बडजात्या, श्रीमती रेणु पाटनी, श्रीमती लता जैन का सहयोग उल्लेखनीय रहा।

अंत में समिति की कोषाध्यक्ष सुषमा पाटनी ने सभी सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट किया।

अजमेर की श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति द्वारा स्वतंत्रता दिवस व अमृत महोत्सव राष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पूरे भारतवर्ष के संभागों द्वारा भाग लिया गया। सभी संभागों ने अपने अपने मे बहुत ही हर्षोल्लास से कार्यक्रम आयोजित किये। जिनके ऑनलाइन फोटोग्राफ्स व वीडियो राष्ट्रीय कार्यालय दिल्ली में भेजे गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष दिल्ली निवासी डॉ. मणीन्द्र जैन ने बताया कि प्रतियोगिता के आयोजन में प्रथम स्थान पर श्रीमती मधु जैन पाटनी के नेतृत्व में श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति अजमेर संभाग की सदस्याओं के द्वारा दी गई प्रस्तुति का प्रथम स्थान के लिए चयन हुआ। द्वितीय– श्रीमती अमिता जैन पाड्या एवं सदस्यगण श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति आगरा संभाग व तृतीय– श्रीमती मधु जैन शाह व सदस्यगण कोटा संभाग रहे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नागपुर निवासी श्रीमती रिचा राजकुमार जैन द्वारा विजेताओं को ऑनलाइन पुरस्कृत किया गया।

सभी विजेताओं को केन्द्रीय राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रिचा राजकुमार जैन द्वारा प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार की ट्राफी भेजी जायेगी।

प्रथम पुरस्कार- श्रीमती मधु जैन पाटनी व सदस्यगण श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति अजमेर संभाग।
द्वितीय पुरस्कार- श्रीमती अमिता जैन पांडया एवं सदस्यगण श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति अजमेर संभाग।
तृतीय पुरस्कार- श्रीमती मधु जैन शाह व सदस्यगण कोटा संभाग।

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति एवं युवा महिला संभाग के तत्वावधान में समिति सदस्यों के सहयोग से 2000 राखियाँ रक्षा कर रहे सैनिकों व फ्रन्ट लाइन वर्कर्स जैसे– डॉक्टर, पुलिस कर्मियों, सफाई कर्मचारियों तक राखियाँ पहुँचाई गई। रक्षाबन्धन के पावन पर्व पर सभी को शुभकामनोयं प्रेषित की। महासमिति कोषाध्यक्ष सुषमा पाटनी व भावना बाकलीवाल ने बताया कि इस आयोजन में आनंद नगर इकाई की अध्यक्ष अंजु अजमेरा, सरावगी मौहल्ला इकाई की अध्यक्ष मंजु गंगवाल, गोधा गावाड़ी इकाई की सदस्य अर्चना बडजात्या का सहयोग रहा।

- मधु पाटनी, अध्यक्ष

श्री दि. जैन महा समिति महिला संभाग, सूरत

राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय शीलाजी डोड्या

को सर्वप्रथम महासमिति सुरत संभाग की और से महिला दिवस पर बधाई देते हैं,
महिला होना अपने आप में गर्व की बात है यही बात आपसे करते हे,

बात कई वर्षो पुरानी जब था गुजरा जमाना |
तब तक नारी की शक्ति को किसी ने न था पहचाना |
एक के बाद एक कई सीडिया चढती गई |
नही रुकी नही थकी हवा की तरह बढती चली गई कितना कुछ कर गुजरने की ताकत थी आपके हाथो मे |
न कोई बांध सका आपको समाज के खोखले दायरो मे हजारो ख्वाहिशे लेकर चली और देखे अनगिनत सपन |
राह थी बडी मुश्किल पर पराये बनते गये अपने |
बहुत सी रुकावटे व आई होगी परेशानी |
मगर आपने भी रुकना कहा सिखा था |
आगे बढती चली गई नही देखा पलटकर क्योकि सुधा गुरु का सिर पर हाथ जो था |
हजारो उपलब्धियॉ अपने नाम कर बढी है सर ऊचा कर |
त्याग सेवा बलिदान गुरुओ की सेवा करके |
खुश हे संतुष्ट है अपने लक्ष्यो को पाकर |
नया उदय नया दृष्टिकोण फिर भी कुछ नया करने का साहस |
दृढ विश्वास गतिशील कदमो से बढती गई |
किया संकल्प सफलता की बुलन्दी छुने का |
और इतिहास नया गढने का |
सेवा को समर्पित आर्दशो को मिला सही आकार |
राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष का पद मिला साभार |
अपना रास्ता स्वयं बना कर नारी शक्ति को दी गरिमा मय पहिचान |
प्रगति का सफर यू ही चलता रहै |
नही रुके, नही थमे, गुरु के आर्शिवाद से सदा आपकी झोली भरी रहे |

बस बस महिला दिवस पर यही भावना रखते है, सुरत संभाग पर भी
आपका प्यार यू ही बना रहे इसी शुभ भावना के साथ महिला दिवस पर शीला भाभी
आपको ढेर सारी बधाईयॉ शुभ कामनाये ....

मंत्री	कोषाध्यक्ष	अध्यक्ष
श्रीमती संगीता जैन	श्रीमती सिम्पल गदिया	श्रीमती मंजु गोधा

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति इन्दौर पश्चिमी सम्भाग की अध्यक्ष श्रीमती ज्योति गोधा जी ने दृष्टिहीन बच्चों को श्री पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक पर भोजन कराते हुए।

स्वतंत्रता दिवस 2021 जिला प्रशासन के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्रीमान रघु शर्मा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री राजस्थान सरकार द्वारा पटेल स्टेडियम में सम्मानित होते हुए श्री प्रकाश जैन पाटनी अजमेर।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति की कार्याध्यक्ष श्रीमती शान्ता जैन सोनीपत का सम्मान करते हुए डिप्टी कमिश्नर श्री ललित सिवाज

प्रतिष्ठा में

श्री दिगम्बर जैन महासमिति

सादर वन्दन ! अभिनन्दन

जय आदिनाथ भगवान की – जय विद्यासागर गुरुदेव ।
जय सुधा सागर महाराज की – करें चरणन की सेव ।।

परमेष्ठी की परम कृपा से - धर्म प्रभावना होती है ।
पुण्यात्माओं के हृदय में - ज्ञान की ज्योति जलती है ।।

सर्वत्र शांति व्यापे जग में - दु:खों से मिले परित्राण ।
समाज पहुंचे उन्नति शिखर पर - जीव मात्र का हो कल्याण ।।

छोटे बाबा आचार्य श्री विद्यासागर जी

मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी

यही भावना लिए हृदय में - शुभ चरण बढ़े आगे ।
श्री दिगम्बर जैन महासमिति - बुन रही प्रेम के धागे ।।

परम श्रद्धेय श्री मणीन्द्र जैन - कोहिनूर से राष्ट्रीय अध्यक्ष ।
समर्पित है शीला डोड़िया - हमारी राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष ।।

राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री मणिन्द्र जैन

महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्रीमती शीला डोडिया

अनमोल मणी से मणीन्द्र हैं - शीला है गुणों की खान ।
श्राविका रत्न सुशीला है - जय जय आदिनाथ भगवान ।।

जागृति आई है समाज में - हो रहे सब धर्म अनुरक्त ।
जिन शासन के सेवक हैं सब - देव शास्त्र गुरु के भक्त ।।

श्राविका रत्न
श्रीमती सुशीला पाटनी

राजस्थान महिला अध्यक्ष
श्रीमती शालिनी बाकलीवाल

प्रकाश कर रहे प्रकाश पाटनी - विशाल हृदय हैं उपाध्यक्ष ।
शालिनी बाकलीवाल हमारी - हैं प्रदेश महिला अध्यक्ष ।।

डिम्पल गादिया महिला महामंत्री - मन वचतन से करे यत्न ।
वन्दना का शत शत वन्दन है - सुशीला श्रेष्ठ श्राविका रत्न ।।

संगीता, मधु और जयश्री - जिन चरणों का वन्दन है ।
श्री दिगम्बर जैन महासमिति - ज्यों मलियागिरी का चन्दन है ।।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राज. अध्यक्ष
श्री प्रकाश पाटनी

श्री भाग्येश जैन
गंगापुर सिटी राज.
9462621435

श्री दिगम्बर जैन महासमिति - पुण्य कार्य में संलग्न विशेष ।
तन-मन-धन से सदा अर्पित - गंगापुर के हैं भाग्येश ।।

श्री दिगंबर जैन महासमिति द्वारा श्री दिगंबर जैन नसिया बूंदी में रविवार को वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदूषण अधिकारी निधी खंडेलवाल ने इस अवसर पर कहा कि वृक्षारोपण से जल, जीवन व जंगल मिलता है। प्रत्येक मनुष्य को जीवन में अवसर मिलने पर पौधा अवश्य लगाना चाहिए। इस अवसर पर दिगम्बर जैन खंडेलवाल सरावगी समाज के अध्यक्ष रविंद्र काला, मंत्री संतोष पाटनी, उपाध्यक्ष प्रदुमन पाटनी, कोषाध्यक्ष विमल कटारिया, पॉल्यूशन विभाग के कनिष्ठ अभियंता राहुल शर्मा व जितेंद्र चतुर्वेदी, महासमिति बूंदी संभाग के अध्यक्ष रोहित झालानी, महेंद्र हरसोरा, ओम प्रकाश बड़जात्या मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन महासमिति के मंत्री हनी गंगवाल व लोकेश गोधा ने किया। इस अवसर पर श्री दिगम्बर जैन महासमिति बूंदी संभाग की महिला अध्यक्ष सुमन कासलीवाल, प्रचार प्रसार मंत्री मोनिका झालानी, श्री दिगंबर जैन खंडेलवाल महिला मंडल की मंत्री एकता पापड़ीवाल, कोषाध्यक्ष गुणा माला छाबड़ा, अरुण नोसन्दा, सुरेन्द्र छाबड़ा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति संभाग केकड़ी द्वारा आज सुहाग दशमी के उपवास करने वाली महिलाओं को दिन में 12:00 से 3:00 सामायिक पाठ और धार्मिक प्रतियोगिताएं कराई गई अध्यक्षा नीता गदिया ने बताया कि सामायिक पाठ और सम्मेद शिखरजी की भाव यात्रा विनोदिनी जी ठोलिया ने कराई धार्मिक प्रतियोगिता कविता गंगवाल और रितु टोंगिया द्वारा कराई गई प्रतियोगिता के पुरस्कार सुरेश जी विशाल जी विकास जी राजकुमारी कविता संगीता गंगवाल की ओर से दिए गए धार्मिक प्रतियोगिता में अंकिता गदिया स्नेहा पाटोदी अनीभा सोनी मयूरी राटा नेहा बाकलीवाल अपेक्षा राटा प्राची पाटनी सुमन गर्ग प्रियंका जैन टीना राटा विजेता रही।

श्री दिगंबर जैन महासमिति आगरा संभाग द्वारा 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस बहुत उत्साह से मनाया गया। इसमें वीरों के बलिदानों व आजादी दिलाने में मददगार गांधी जी, नेहरु जी का स्मरण किया गया। सदस्यों द्वारा देश भक्ति के गीत गाए और झंडा फहराया गया सभा में वृक्षारोपण व शास्त्र सजाओ प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय आने वाली सभी सदस्यों को पुरस्कार दिए गए इस अवसर पर एक जरुरतमंद महिला को एक महीने का राशन दिया गया श्री 1008 पारसनाथ भगवान को मोक्ष कल्याणक पर भजन गाए गए एवं अंत में जन गण मन गाकर सभा समाप्त की गई। अंत में सभी ने स्वल्पाहार का आनंद लिया।

-शशि बैनाड़ा, मंत्री

मोक्ष सप्तमी का आयोजन श्री दिगम्बर जैन मन्दिर में कल्याण मन्दिर स्त्रोत का विधान उत्साह पूर्वक मनाया गया। श्री अनिल जैन अध्यक्ष श्री दिगम्बर जैन महासमिति उत्तर प्रदेश का विशेष सहयोग रहा।

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति संभाग अशोक नगर को अशोक नगर के प्रभारी मंत्री श्रीमान्, प्रदुम्न कुमार जी, मंत्री श्रीमान विजेंद्र सिंह जी विधायक श्रीमान जजपाल सिंह जी के कर कमलों द्वारा कोराना योद्धा के रुप में, सम्मानित किया गया।

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति जबलपुर समाज की अध्यक्ष श्रीमती प्रीतिपाली जबलपुर के ग्वारी घाट वृद्धाश्रम में भोजन का वितरण कर सौभाग्य अर्जित किया।

श्री दिगम्बर जैन महासमिति आगरा (उत्तर प्रदेश)
कार्यकारिणी के पदाधिकारी गण

PRESIDENT
SMT AMITA PANDYA
ROSE CARPETS
JOHN'S MILL NO-3
JEONI MANDI
AGRA-282004
MOB-7535093093

VICE PRESIDENT
SMT ASHA JAIN SONI
208, ROHINI ROYAL
RESIDENCY
NEAR SHANTI SWEETS
PACHIM PURI SHIKANDRA
AGRA (U.P.)-282007
MOB-9720607715

SECRETARY
SMT SHASHI BENARA
A-203 PADAM PRIDE-1
SECTOR-16B
AWAS VIKAS COLONY
AGRA (U.P.)-282007
MOB-9457402595

TREASURER
SMT PREM PATNI
6/94 BELANGANJ
AGRA (U.P.)-282004
MOB-9319121664

माननीय केंन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा यादव जी का स्वागत करते हुए श्री दिगम्बर जैन महासमिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मणीन्द्र जैन

पंजीकरण संख्या : S-33/29-11-2017 डाक पंजीकरण संख्या : DL(E)-20/5535/2018-20

श्री दिगम्बर जैन महासमिति दिल्ली प्रदेश का शपथ ग्रहण समारोह भव्यता पूर्ण संपन्न।

दिनांक 8 अगस्त को अहिंसा धाम के प्रांगण में कोराना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ श्रीमती इंदु जैन तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन ने की। मुख्य अतिथि देश के प्रसिद्व टीवी चैनल न्यूज़ नेशन के प्रमुख वरिष्ठ पत्रकार श्री दीपक चौरसिया थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मणीन्द्र जैन ने महासमिति द्वारा किये जा रहे कार्यों का उल्लेख किया तथा मनोनीत दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष श्री राजेश जैन (पारस चैनल), महामंत्री टीनू जैन, कोषाध्यक्ष राकेश जैन तथा कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ ग्रहण कराया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महांत्री श्री प्रवीन कुमार जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री धरणेन्द्र कुमार जैन, दिल्ली प्रदेश महिला महासमिति की अध्यक्षा श्रीमती निशा जैन, कार्याध्यक्ष श्रीमती राजरानी जैन एवं महामंत्री श्रीमती मंजू जैन उपस्थित थे। गायक श्री पारस जैन तथा उनके साथियों व श्रीमती निशा जैन तथा अन्य कलाकारों द्वारा जैन भजन व देशभक्ति के गीतों से सभी का मन हर्षित किया। सभी उपस्थित विशिष्ट आमंत्रित सज्जनों श्री धरणेन्द्र जैन पूर्व कोषाध्यक्ष बड़ागांव, प्रमुख उद्योगपति श्री राजेश जैन, श्री नवीन जैन, मोहित जैन आदि ने डॉ मणीन्द्र जैन व अन्य साथियों के नेतृत्व में महासमिति को देश की सर्वोच्च, सर्वश्रेष्ठ संस्था बनाने तथा महासमिति द्वारा किये जा रहे कार्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा की तथा तन–मन–धन से सहयोग करने का संकल्प लिया।

- समाचार संकलन - मोहित जैन, नवीन जैन

If undelivered please return to :

70, Kailash Hills New Delhi-110065
Mob. :- 9810043108, 8826578600